विश्व पर्यावरण दिवस

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर में "पर्यावरण दिवस- 2019" के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 04/06/2019

"पर्यावरण दिवस-2019" के उपलक्ष्य में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस वर्ष के पर्यावरण दिवस की विषय वस्तु (theme) "वायु प्रदूषण" है। संगोष्ठी में स्काउट/गाइड डिवीजन, जोधपुर के ग्रीष्मकालीन शिविर के स्काउट/गाइड सहित संस्थान के अधिकारियों/वैज्ञानिकों/कर्मचारियों/शोधार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बी.एल. कोठारी, आई.ए.एस., संभागीय आयुक्त, जोधपुर ने अपने उदबोधन में विश्व पर्यावरण दिवस पर आग्रह किया कि अनुसंधान को अनुप्रयोग (application) की ओर ले जाने का प्रयत्न करें। श्री कोठारी ने अनुसंधान को फील्ड में ले जाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि अनुप्रयोग भाग (application part) को भी अनुसंधान का हिस्सा बनायेँ। उन्होने अंतर्विभागीय पहुँच (approach) का जिक्र करते हुए बताया कि विभिन्न विभागों से संवाद स्थापित कर उनके पास उपलब्ध संसाधनो के उपयोग द्वारा अनुसंधान को अनुप्रयोग में लाएं, इसके लिए अंतर्विभागीय समन्वयन की आवश्यकता प्रतिपादित की। श्री कोठारी ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे पौधारोपण में अनुसंधान द्वारा तकनीक की जानकारी दी जानी चाहिये।

निदेशक श्री मानाराम बालोच, भा.व.से. ने "पर्यावरण दिवस" के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में अपने उदबोधन में कहा कि पर्यावरण के गिरते स्तर को लेकर पूरा विश्व चिंतित है, श्री बालोच ने कार्बन क्रेडिट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पेड़-पौधे, प्रदूषकों को शोषित करते हैं, अधिक से अधिक पेड़ लगायेंगे तो अधिक से अधिक कार्बन अवशोषित होगा, हमारा पर्यावरण ठीक रहेगा। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे लगाना पुण्य का कार्य है। श्री बालोच ने इमारती लकड़ी के प्रमाणीकरण (certification) का भी जिक्र किया तथा बताया कि पेड़-पौधों, पर्यावरण को बचाने के लिए हर स्तर पर प्रयत्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की दिनों दिन बहुत अधिक क्षति हो रही है। श्री बालोच ने संस्थान द्वारा लिये जाने वाले अनुसंधान कार्यों की पूरी प्रक्रिया की जानकारी भी दी। श्री बालोच ने कहा कि पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि अधिक से अधिक जागृती फैलायेँ।

समूह समन्वयक (शोध) डॉ. आई. डी. आर्य ने विकास के साथ खराब होते पर्यावरण का जिक्र करते हुए, इसे रोकने के वैज्ञानिक प्रयासो की चर्चा की। डॉ. आई. डी. आर्य ने बताया की वैज्ञानिक इस कोशिश में लगे हैं कि ज्यादा से ज्यादा ऐसे पेड़ लगाये जाएं जो ज्यादा ऑक्सीज़न छोड़ें। डॉ. आर्य ने कहा कि कार्बन डाइऑक्साइड जो वातावरण में छोड़ी जा रही है उसका स्तर नीचे

विश्व पर्यावरण दिवस

लाना बेहद जरूरी है और उसे पेड़ पौधे कम कर सकते हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहायक निदेशक श्री जगदीश सिंह ने वायु प्रदूषण के कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला। श्री सिंह ने बताया की वायु प्रदूषण को रोकने के लिए विभिन्न घटकों के मानक निर्धारित हैं तथा वायु प्रदूषण के घटकों के प्रभावी नियंत्रण हेतु मानकों की सतत निगरानी रखी जाती है। श्री सिंह ने वायु प्रदूषण के उपायों की चर्चा करते हुए बताया कि पेड़-पौधे और मानव एक दूसरे पर निर्भर हैं हम कार्बन डाईऑक्साइड छोडते हैं, वे लेते है। अंत: ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए।

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. जी सिंह ने कहा कि वायु के विभिन्न घटको में प्रदूषण कारक घटक मिल जाते हैं तो वायु प्रदूषित हो जाती है। इस वायु प्रदूषण के प्राकृतिक (जैसे ज्वालामुखी, वन आग इत्यादि) एवं मानव जनित कारण (जैसे उद्योग, परिवहन) भी शामिल हैं। डॉ. जी सिंह ने वायु प्रदूषण को कम करने के उपाय, स्रोत पर अवशोषण (absorption at source), सोखना (adsorption), कार्बन पृथक्करण (carbon sequestration) का जिक्र करते हुए विभिन्न पादपों की वायु प्रदूषण को कम करने की क्षमता का जिक्र किया। डॉ. सिंह ने वैज्ञानिक विवरण देते हुए बताया कि अधिकांश पादप इन प्रदूषणों को हटाने मे सहायक होते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि शहरो में घरों के चारों तरफ लंबी ऊंचाई के पौधे लगाने चाहिए, जितनी लंबाई बढ़ती है प्रदूषण कम होता है, अलग-अलग ऊंचाई के विभिन्न प्रकार के पेड़ (पौधो की जैवविविधता) होंगे तो वायु प्रदूषण कम होगा। हमारा उद्देश्य यह होना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगावें, विभिन्न प्रकार के पेड़ लगावें।

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. एन. के. बोहरा ने पर्यावरण दिवस का इतिहास, विभिन्न वर्षो की विषय वस्तु (theme), वायु प्रदूषण, उनके प्रभाव इत्यादि से संबन्धित आंकडे प्रस्तुत कर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारम्भ में विस्तार विभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ने पर्यावरण दिवस, विषय वस्तु "वायु प्रदूषण" इत्यादि की जानकारी दी। कार्यक्रम में स्कूल प्राचार्य श्री भंवर सिंह बेंदा ने भी भाग लिया। विस्तार प्रभाग की तकनीकी अधिकारी श्रीमती कुसुमलता परिहार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रकृति कार्यक्रम की जानकारी भी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बी.एल. कोठारी, आई.ए.एस. संभागीय आयुक्त, ने करंज का पौधारोपण किया।

कार्यक्रम में विस्तार प्रभाग के तकनीकी अधिकारी श्री धाना राम, श्री शैलेन्द्र सिंह तकनीशियन एंव श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस